

अम्लान वि. (तत्.) 1. जो उदास न हो 2. जो मुरझाया न हो, प्रसन्न, खिला हुआ 2. स्वच्छ, जो मलिन न हो पुं. 1. बाणपुष्प नामक पौधा 2. दुपहरिया, गुलदुपहरिया।

अम्लानि स्त्री. (तत्.) न मुरझाने की स्थिति या भाव, सजीवता।

अम्लिका स्त्री. (तत्.) 1. इमली का वृक्ष या फल 2. खट्टी डकार।

अम्लिमा स्त्री. (तत्.) अम्लता, खट्टापन।

अम्लीकरण पुं. (तत्.) खट्टा बनाने की क्रिया।

अम्लीय वि. (तत्.) अम्लयुक्त, अम्ल-विषयक, अम्ल से संबंधित acidic

अम्लीय मृदा स्त्री. (तत्.) मृदा जिसकी ऊपरी परत या किसी संस्तर-विशेष का मान 6.6 से कम हो। acidic soil

अम्लीय रंजक पुं. (तत्.) रसा. रंजकों का एक बड़ा वर्ग जिनमें सोडियम या पोटेशियम लवणों के रूप में सल्फोनिक, कार्बोक्सिल आदि अम्लीय समूह होते हैं। इनका उपयोग रेशम और चमड़े को रँगने में होता है तु. क्षारकीय रंजक।

अम्लीय लवण पुं. (तत्.) रसा. किसी द्विक्षारकी या त्रिक्षारकी अम्ल के आंशिक उदासीनीकरण से प्राप्त यौगिक उदा. सोडियम हाइड्रोजन सल्फेट acid salt टि. ये लवण होते हैं लेकिन एक प्रतिस्थापनीय हाइड्रोजन के कारण अम्ल जैसी अभिक्रियाएँ दर्शाते हैं।

अम्लीय वर्षा स्त्री. (तत्.) रसा. वर्षा जिसका pH मान 5 से कम हो, मुख्यतः इसका कारण वायुमंडल में सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन के ऑक्साइडों का युक्त होना है।

अयःशूल पुं. (तत्.) 1. तीक्ष्ण शस्त्र। 2. लोहे का भाला।

अयजनीय वि. (तत्.) 1. जो यज्ञ करने लायक न हो। 2. जो सम्मान का पात्र न हो।

अयज्ञ वि. (तत्.) 1. यज्ञ न करनेवाला 2. जो यज्ञ के योग्य न हो पुं. यज्ञ का अभाव।

अयज्ञक वि. (तत्.) 1. जो यज्ञ के लिए अनुपयुक्त हो, जो यज्ञ के योग्य न हो 2. यज्ञ न करनेवाला।

अयतेंद्रिय वि. (तत्.) 1. जिसका इंद्रियों पर संयम न हो, असंयमी 2. इंद्रिय-निग्रह न करनेवाला, इंद्रियलोलुप विलो. यतेंद्रिय।

अयत्न पुं. (तत्.) यत्न का अभाव, उद्यमशून्यता वि. यत्न या परिश्रम न करनेवाला, उद्योगहीन, यत्नशून्य विलो. यत्न।

अयत्नकृत वि. (तत्.) 1. जो बिना प्रयास के आसानी से हो जाए 2. अनायास किया गया। 3. बिना प्रयत्न के प्राप्त (फल)।

अयत्नज वि. (तत्.) 1. बिना परिश्रम के उत्पन्न होने वाला। 2. स्वाभाविक, प्राकृतिक।

अयथा वि. (तत्.) 1. जो सही स्थिति के अनुसार न हो 2. झूठ, असत्य 3. अयोग्य पुं. (तत्.) विधि-विपरीत कार्य, अनुचित कार्य।

अयथातथ वि. (तत्.) 1. जैसा अपेक्षित (वांछित) हो वैसा नहीं। 2. प्रतिकूल, विपरीत, विरुद्ध 3. मिथ्या।

अयथापूर्व वि. (तत्.) जो पहले जैसा न हो। पहले से बदला रूप।

अयथार्थ वि. (तत्.) 1. जो यथार्थ न हो, अवास्तविक 2. असत्य, झूठ 3. गलत 4. अनुचित, अनुपयुक्त विलो. यथार्थ।

अयथार्थानुभव पुं. (तत्.) मिथ्या अनुभव।

अयथावत् वि. (तत्.) सही स्थिति से भिन्न, अनुचित ढंग का, गलत ढंग का विलो. यथावत्।

अयथास्थित वि. (तत्.) 1. जो यथास्थान न हो। 2. अव्यवस्थित।

अयथेष्ट वि. (तत्.) अभीष्ट मात्रा से कम, अपर्याप्त, जो काफी न हो, कम, थोड़ा विलो. यथेष्ट।

अयथोचित वि. (तत्.) 1. जिसका स्वरूप, मात्रा या विधि उचित न हो 2. अयोग्य।